

सत्य को झूठ ने छला है
झूठ के साए में सत्य पला है

शुरू हुआ जो सफ़र ५० साल पहले यहाँ
लगता है जैसे रोज़ नए सफ़र पे निकला है

झूठ मिलकर झूठ से कर रहा सच पर हमला है
हजार रंग झूठ के पर सच का रंग कहाँ बदला है

झूठ, झूठ, झूठ, झूठ न अब हमसे सहन होगा
जलेगी होलिका झूठ की झूठ का दहन होगा

धागा धागा झूठ का, झूठ से बना जाल है
सच कहाँ छुपता, देखो ये सच का कमाल है

क्रायदा अलग है मेरा चलने का
वो झूठ बोलते मैं सच खोजता हूँ

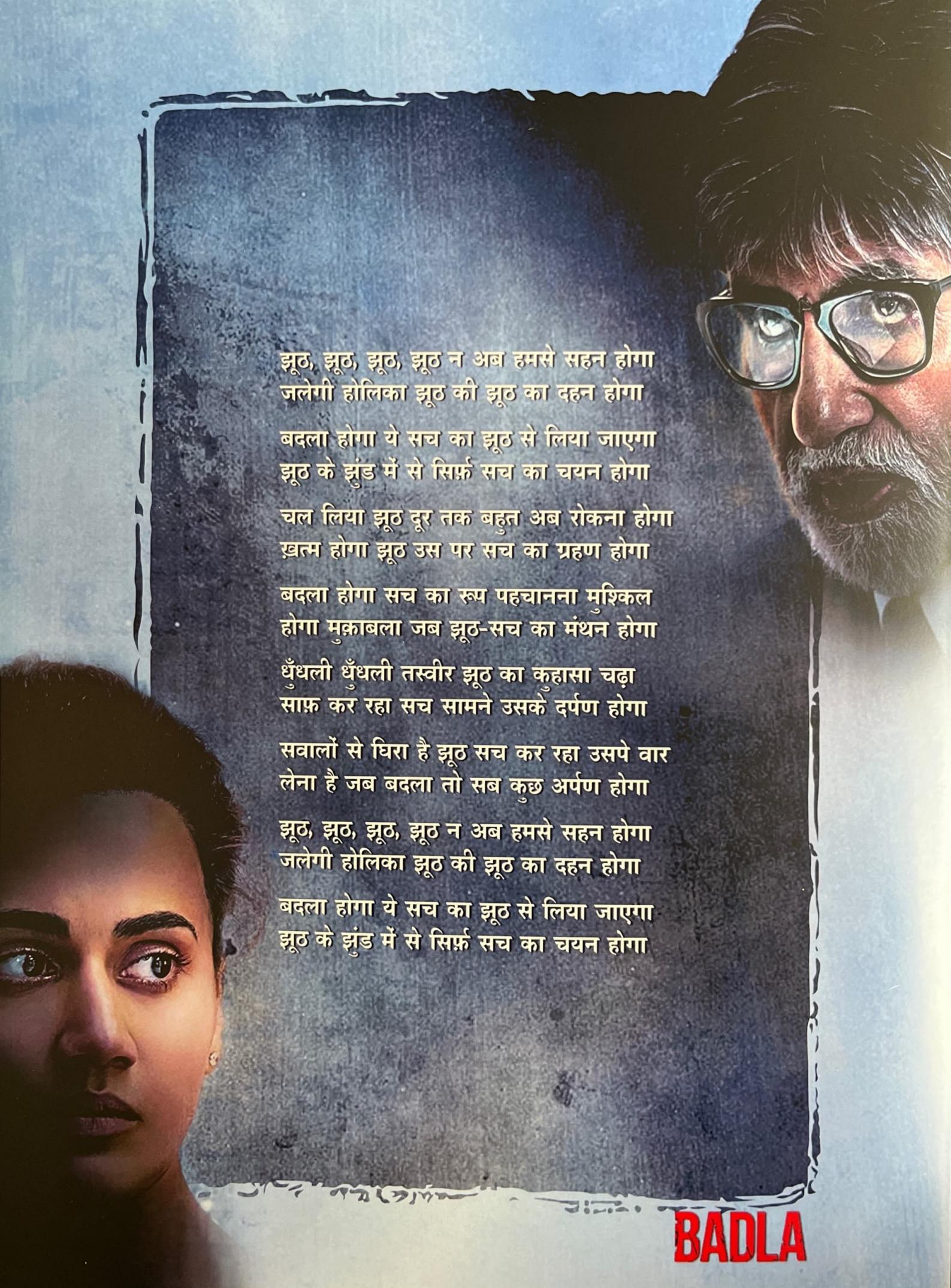
किसका है ये बदला, बदला ले रहा है कौन
बोल रहे सबूत कहानी और साज़िशें हैं मौन

BADLA

झूठ पर सच की अनोखी शब्दावली - विकास बंसल द्वारा

सत्य को झूठ ने छला है
झूठ के साए में सत्य पला है
द द है या फिर वो ९ है यहाँ
नज़र, नज़रिए का मसला है
झूठ बताया या सत्य छुपाया
जवाब कहाँ ये हमें मिला है
सवाल, सवाल, सवाल, तीन
बस पूछताछ का सिलसिला है
सच तो वो ही जो साबित हो
बादल की बस ये ही कला है
गुमराह कर रहा झूठ सच को
तलाशने वो सच को निकला है
झूठ को सत्य में बदल दे वो
झूठ पर फ़तह सच का बदला है
झूठ का पर्दाफ़ाश सच से सामना
मुलाकात का वक्त ८ मार्च मिला है
सत्य को झूठ ने छला है
झूठ के साए में सत्य पला है
द द है या फिर वो ९ है यहाँ
नज़र, नज़रिए का मसला है

BADLA



झूठ, झूठ, झूठ, झूठ न अब हमसे सहन होगा
जलेगी होलिका झूठ की झूठ का दहन होगा

बदला होगा ये सच का झूठ से लिया जाएगा
झूठ के झुंड में से सिर्फ़ सच का चयन होगा

चल लिया झूठ दूर तक बहुत अब रोकना होगा
खत्म होगा झूठ उस पर सच का ग्रहण होगा

बदला होगा सच का रूप पहचानना मुश्किल
होगा मुकाबला जब झूठ-सच का मंथन होगा

धुँधली धुँधली तस्वीर झूठ का कहासा चढ़ा
साफ़ कर रहा सच सामने उसके दर्पण होगा

सवालों से घिरा है झूठ सच कर रहा उसपे वार
लेना है जब बदला तो सब कुछ अर्पण होगा

झूठ, झूठ, झूठ, झूठ न अब हमसे सहन होगा
जलेगी होलिका झूठ की झूठ का दहन होगा

बदला होगा ये सच का झूठ से लिया जाएगा
झूठ के झुंड में से सिर्फ़ सच का चयन होगा

BADLA

धागा धागा झूठ का, झूठ से बना जाल है
सच कहाँ छुपता, देखो ये सच का कमाल है
सच की पड़ी जब मार तो तार तार हुआ झूठ
सच की हो रही वाहवाही सच बेमिसाल है
झूठ के झूठ को साबित करना है तो बोल झूठ
सच समय पर आएगा सामने उसकी अपनी चाल है
एक झूठ, दो झूठ से कई सारे फिर बहत सारे
झूठ हर तरफ पर सच को छुपा ले कहाँ मजाल है
झूठ को मौका देता है सच कि करे गनाह क्रबूल
सच तो सच है जीत के लिए सच ही ढाल है
बदला ले लिया सच ने झूठ को बदल दिया सच में
झूठ को साबित करने सच की ग़ज़ब यहाँ चाल है
धागा धागा झूठ का, झूठ से बना जाल है
सच कहाँ छुपता, देखो ये सच का कमाल है
सच की पड़ी जब मार तो तार तार हुआ झूठ
सच की हो रही वाहवाही सच बेमिसाल है

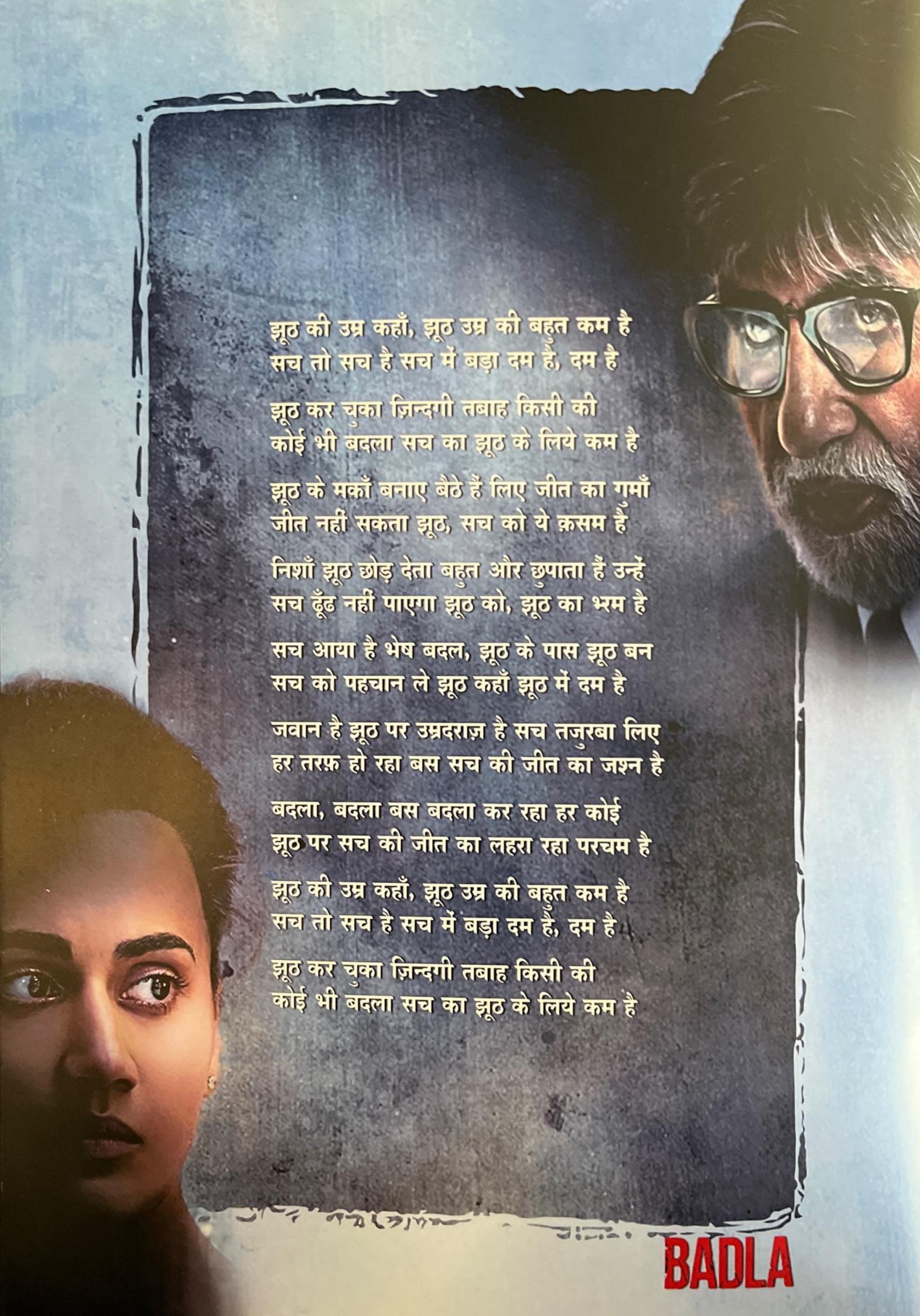
BADLA

किसका है ये बदला, बदला ले रहा है कौन
बोल रहे सबूत कहानी और साज़िशें हैं मौन
इंसान फँसा है चक्रवूह में यहाँ घिरा घिरा है
कर गया वो जुर्म कैसे मुजरिम सिरफिरा है
हुआ है कछ जिसने कर दिया सब तबाह
छुपे हैं कई राज़ा इधर उधर ढूँढ रही निगाह
कोई कैसे दे सकता है वारदात को अंजाम
खोज पर निकला है वो लेकर बदला फ़रमान
सड़कों पर गलियों में धूम रहा सर पर जुनूँ है
दिन भर बैचैन, रातों को भी कहाँ उसे संकूँ है
कभी लगता दुश्मन ज़माना तो कभी कोई अपना
सूरत है सामने जैसे उसकी धुँधला धुँधला आता है सपना
है वो गुमसुम, खोया खोया, और रहता है मौन
किसका है ये बदला, बदला ले रहा है कौन
बोल रहे सबूत कहानी और साज़िशें हैं मौन

BADLA

झूठ का चक्रव्यूह सच का दाँव है बदला
हर एक व्यक्तित्व का बदलाव है बदला
कहानी, किस्सा सुनना सुनाना है बदला
पल में बदलते रिश्तों का तानाबाना है बदला
बारीकियाँ को ढूँढ़ने की महारथ है बदला
झूठ के साथ चल रहा सच वो रथ है बदला
समझना झूठ का सच समझ का खेल है बदला
झूठ की हार सच और सबूत का मेल है बदला
माफ़ करना ठीक या नहीं ये निश्चय है बदला
क्या और कैसे लिया जाए ये परिचय है बदला
झूठ करे क्रबूल सच वो क्रबूलनामा है बदला
बाँध कर करे अचंभित वो सफरनामा है बदला
धूप में झुलस रहा झूठ, सच की ठंडी छाँव है बदला
झूठ का चक्रव्यूह सच का दाँव है बदला
हर एक व्यक्तित्व का बदलाव है बदला

BADLA



झूठ की उम्र कहाँ, झूठ उम्र की बहुत कम है
सच तो सच है सच में बड़ा दम है, दम है

झूठ कर चुका जिन्दगी तबाह किसी की
कोई भी बदला सच का झूठ के लिये कम है

झूठ के मकाँ बनाए बैठे हैं लिए जीत का गमाँ
जीत नहीं सकता झूठ, सच को ये क्षम है

निशाँ झूठ छोड़ देता बहुत और छुपाता है उन्हे
सच ढूँढ नहीं पाएगा झूठ को, झूठ का भ्रम है

सच आया है भेष बदल, झूठ के पास झूठ बन
सच को पहचान ले झूठ कहाँ झूठ में दम है

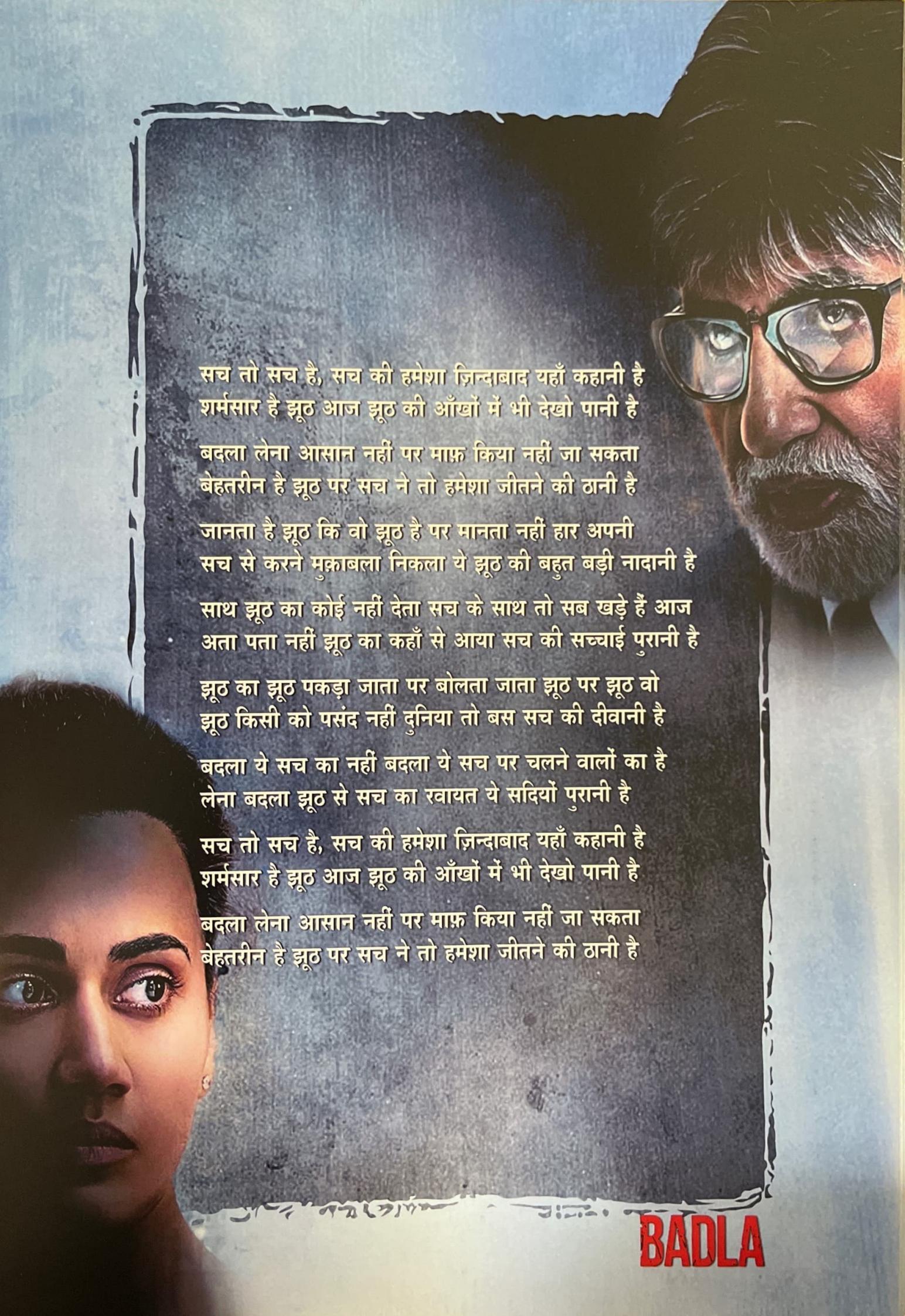
जवान है झूठ पर उम्रदराज है सच तजरबा लिए
हर तरफ हो रहा बस सच की जीत का जश्न है

बदला, बदला बस बदला कर रहा हर कोई
झूठ पर सच की जीत का लहरा रहा परचम है

झूठ की उम्र कहाँ, झूठ उम्र की बहुत कम है
सच तो सच है सच में बड़ा दम है, दम है

झूठ कर चुका जिन्दगी तबाह किसी की
कोई भी बदला सच का झूठ के लिये कम है

BADLA



सच तो सच है, सच की हमेशा ज़िन्दाबाद यहाँ कहानी है
शर्मसार है झूठ आज झूठ की आँखों में भी देखो पानी है
बदला लेना आसान नहीं पर माफ़ किया नहीं जा सकता
बेहतरीन है झूठ पर सच ने तो हमेशा जीतने की गनी है

जानता है झूठ कि वो झूठ है पर मानता नहीं हार अपनी
सच से करने मुक़ाबला निकला ये झूठ की बहुत बड़ी नादानी है

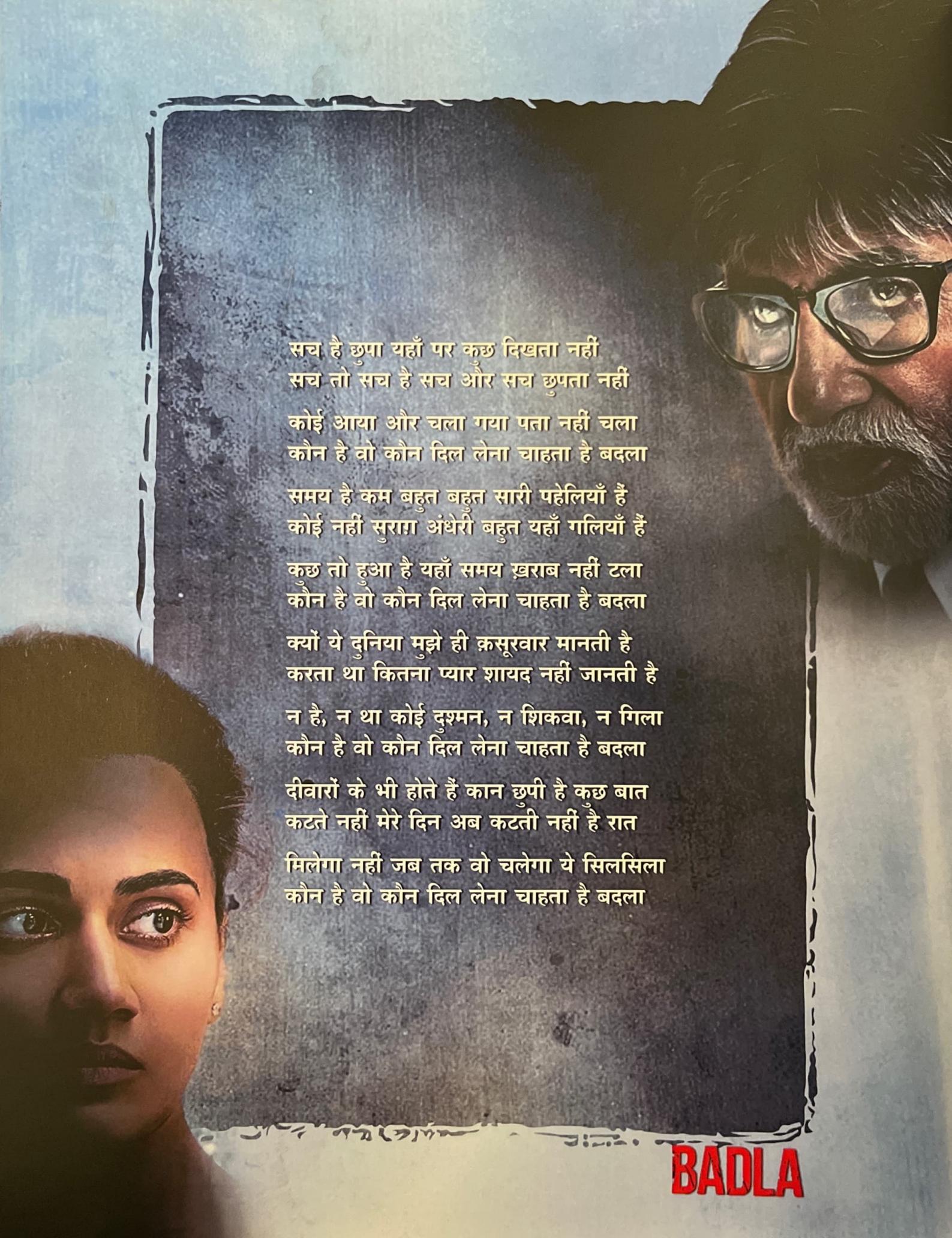
साथ झूठ का कोई नहीं देता सच के साथ तो सब खड़े हैं आज
अता पता नहीं झूठ का कहाँ से आया सच की सच्चाई पुरानी है

झूठ का झूठ पकड़ा जाता पर बोलता जाता झूठ पर झूठ वो
झूठ किसी को पसंद नहीं दुनिया तो बस सच की दीवानी है

बदला ये सच का नहीं बदला ये सच पर चलने वालों का है
लेना बदला झूठ से सच का रवायत ये सदियों पुरानी है

सच तो सच है, सच की हमेशा ज़िन्दाबाद यहाँ कहानी है
शर्मसार है झूठ आज झूठ की आँखों में भी देखो पानी है
बदला लेना आसान नहीं पर माफ़ किया नहीं जा सकता
बेहतरीन है झूठ पर सच ने तो हमेशा जीतने की गनी है

BADLA



सच है छुपा यहाँ पर कछ दिखता नहीं
सच तो सच है सच और सच छुपता नहीं

कोई आया और चला गया पता नहीं चला
कौन है वो कौन दिल लेना चाहता है बदला

समय है कम बहुत बहुत सारी पहेलियाँ हैं
कोई नहीं सुराम अंधेरी बहुत यहाँ गलियाँ हैं

कछ तो हआ है यहाँ समय खराब नहीं टला
कौन है वो कौन दिल लेना चाहता है बदला

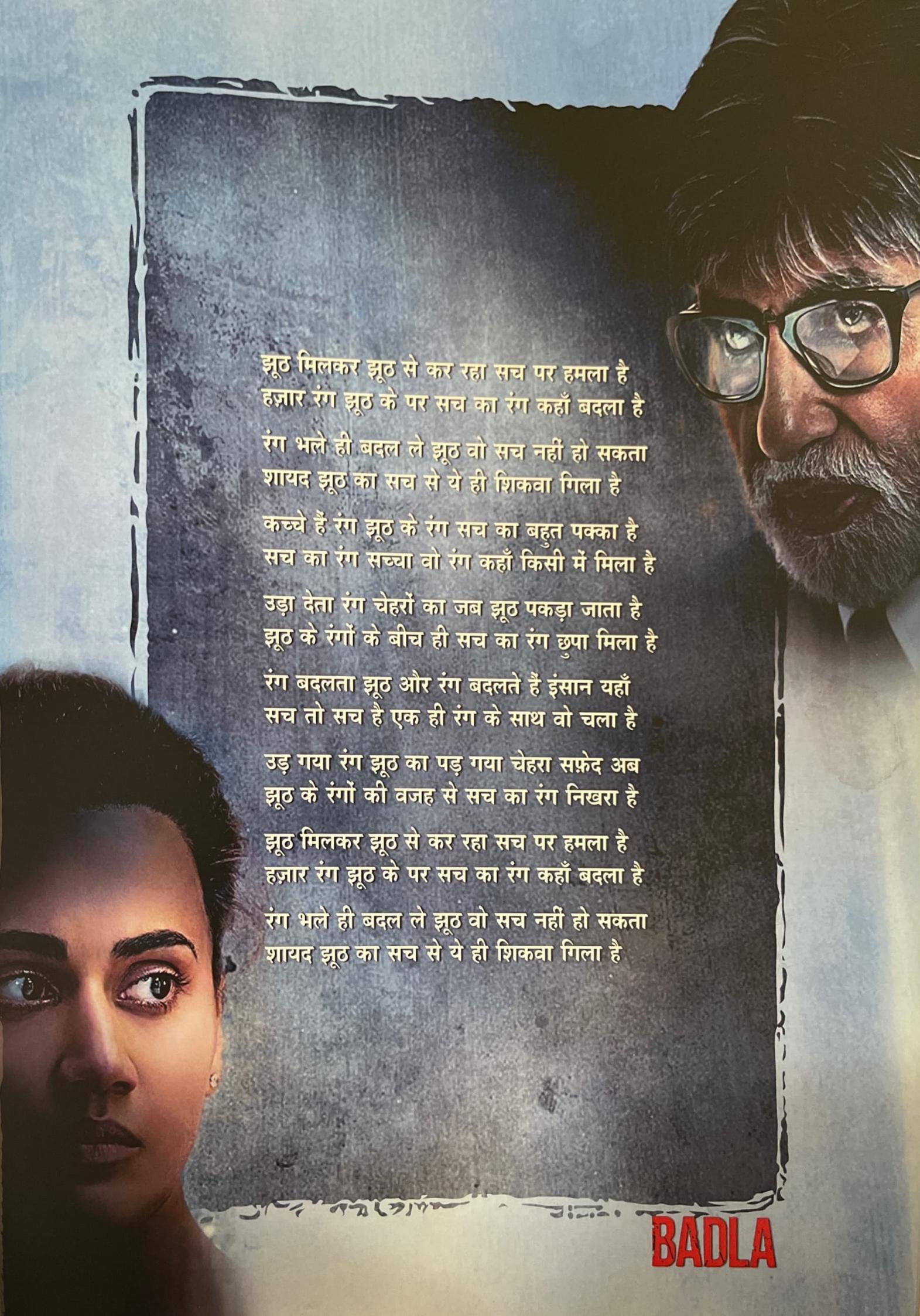
क्यों ये दुनिया मुझे ही क़सूरवार मानती है
करता था कितना प्यार शायद नहीं जानती है

न है, न था कोई दश्मन, न शिकवा, न गिला
कौन है वो कौन दिल लेना चाहता है बदला

दीवारों के भी होते हैं कान छुपी है कुछ बात
कटते नहीं मेरे दिन अब कटती नहीं है रात

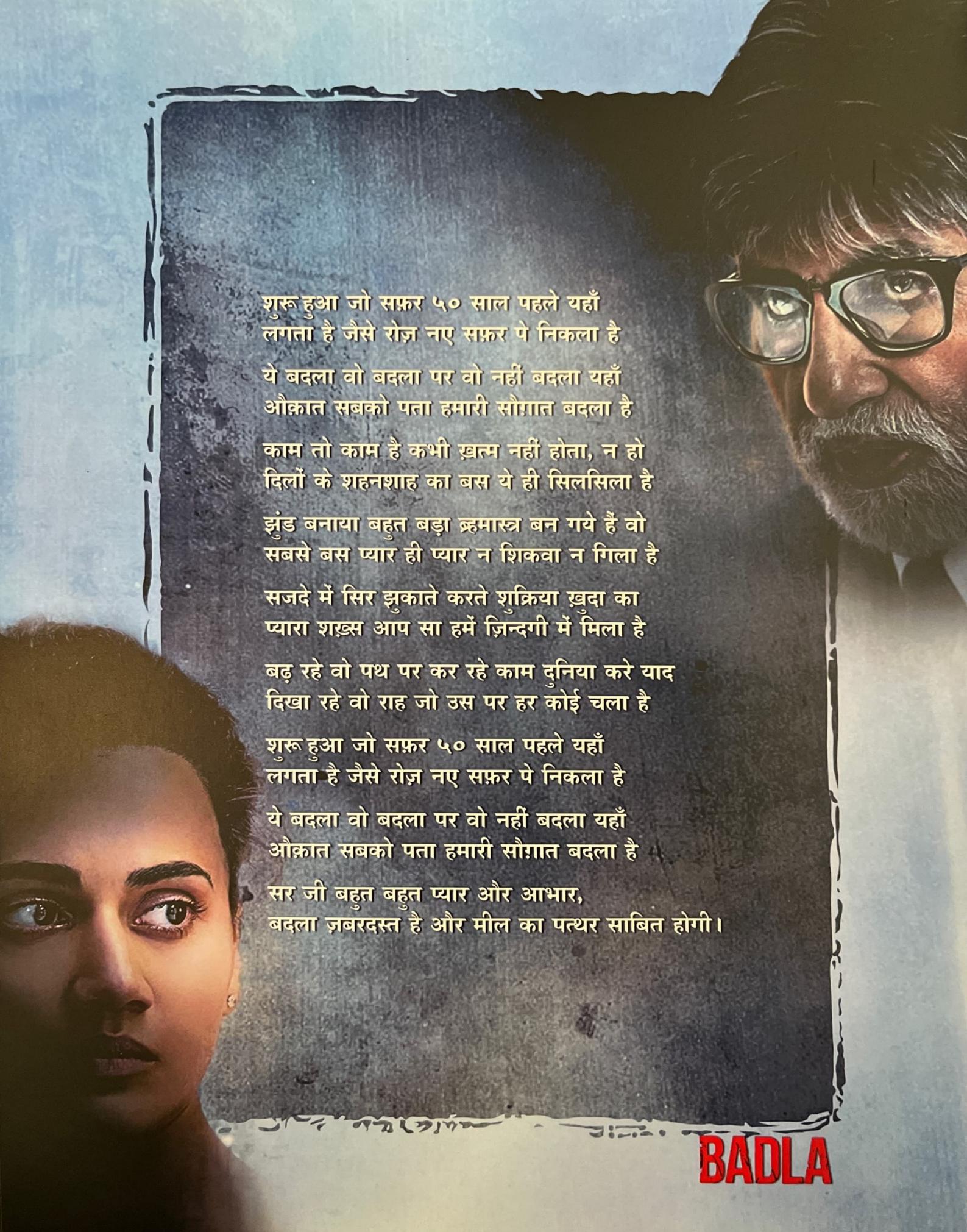
मिलेगा नहीं जब तक वो चलेगा ये सिलसिला
कौन है वो कौन दिल लेना चाहता है बदला

BADLA



झूठ मिलकर झूठ से कर रहा सच पर हमला है
हजार रंग झूठ के पर सच का रंग कहाँ बदला है
रंग भले ही बदल ले झूठ वो सच नहीं हो सकता
शायद झूठ का सच से ये ही शिकवा गिला है
कच्चे हैं रंग झूठ के रंग सच का बहुत पक्का है
सच का रंग सच्चा वो रंग कहाँ किसी में मिला है
उड़ा देता रंग चेहरों का जब झूठ पकड़ा जाता है
झूठ के रंगों के बीच ही सच का रंग छुपा मिला है
रंग बदलता झूठ और रंग बदलते हैं इंसान यहाँ
सच तो सच है एक ही रंग के साथ वो चला है
उड़ गया रंग झूठ का पड़ गया चेहरा सफेद अब
झूठ के रंगों की वजह से सच का रंग निखरा है
झूठ मिलकर झूठ से कर रहा सच पर हमला है
हजार रंग झूठ के पर सच का रंग कहाँ बदला है
रंग भले ही बदल ले झूठ वो सच नहीं हो सकता
शायद झूठ का सच से ये ही शिकवा गिला है

BADLA



शुरू हुआ जो सफर ५० साल पहले यहाँ
लगता है जैसे रोज़ नए सफर पे निकला है
ये बदला वो बदला पर वो नहीं बदला यहाँ
औक्रात सबको पता हमारी सौगात बदला है
काम तो काम है कभी खत्म नहीं होता, न हो
दिलों के शहनशाह का बस ये ही सिलसिला है
झुंड बनाया बहुत बड़ा ब्रह्मास्त्र बन गये हैं वो
सबसे बस प्यार ही प्यार न शिकवा न गिला है
सजदे में सिर झुकाते करते शुक्रिया खदा का
प्यारा शख्स आप सा हमें ज़िन्दगी में मिला है
बढ़ रहे वो पथ पर कर रहे काम दुनिया करे याद
दिखा रहे वो राह जो उस पर हर कोई चला है
शुरू हुआ जो सफर ५० साल पहले यहाँ
लगता है जैसे रोज़ नए सफर पे निकला है
ये बदला वो बदला पर वो नहीं बदला यहाँ
औक्रात सबको पता हमारी सौगात बदला है
सर जी बहुत बहुत प्यार और आभार,
बदला ज़बरदस्त है और मील का पत्थर साबित होगी।

BADLA

भूत बदल नहीं सकता, कोशिश कर वर्तमान को बदलने की भविष्य को तू बदल
बदल बदल खुद को बदल ले बदला उससे जिसने डाली ज़िन्दगी में तेरी खलल

कुछ बातें बताई गई छुपाई गई नाम बादल जिसका वो काम में माहिर है
दुश्मन कर रहा अपना काम बड़े सलीके से पर बादल दुश्मन से भी शातिर है

कड़ी कड़ी जोड़नी है तुझे और सच की तह तक पहुँचना है हार नहीं माननी है
क्या वो बता रहे हैं झूठ सच का फ़र्क है देखना झूठ में क्या है सच्चाई पहचाननी है

फ़र्क नज़र में हो न हो पर नज़रिये में तो हो सकता है ये बात यहाँ मानने वाली है
जानता है कोई सब पर बता नहीं रहा पता करनी है वो बात जो जानने वाली है

उल्टा पुल्टा है यहाँ सब दिखाया जा रहा है तुझे सीधा ६ पलटने पर ९ की शक्ल है

भूत बदल नहीं सकता, कोशिश कर वर्तमान को बदलने की भविष्य को तू बदल
बदल बदल खुद को बदल ले बदला उससे जिसने डाली ज़िन्दगी में तेरी खलल

BADLA

बदल बदल खुद को बदल कि लेना है तुझे बदला
तेरे किसी अपने की साँसों पर हुआ है आज हमला

चल चल चल तू रुक मत लड़ने को हो जा अब तैयार
वो कर गया जो करना था अब तुझे करना है उस पर वार

जीतना है तज्ज्ञे सभी साज़िशों से मत सोच जायेगा तू हार
हो जा सतर्क, चल अब सोच समझकर, बन जा होशियार

कमज़ोर नहीं तू ये बता दे, दुनिया को जीत के दिखा दे एक बार
दुश्मन है आस पास दिखाई नहीं देता बस दे रहा तुझे ललकार

माना ज़माना है खिलाफ़ तेरे पर साथ है तेरे तेरा हौसला
साबित कर दे तू सही खुद को तेरे साथ होगा हर फैसला

बदल बदल खुद को बदल कि लेना है तुझे बदला
तेरे किसी अपने की साँसों पर हुआ है आज हमला

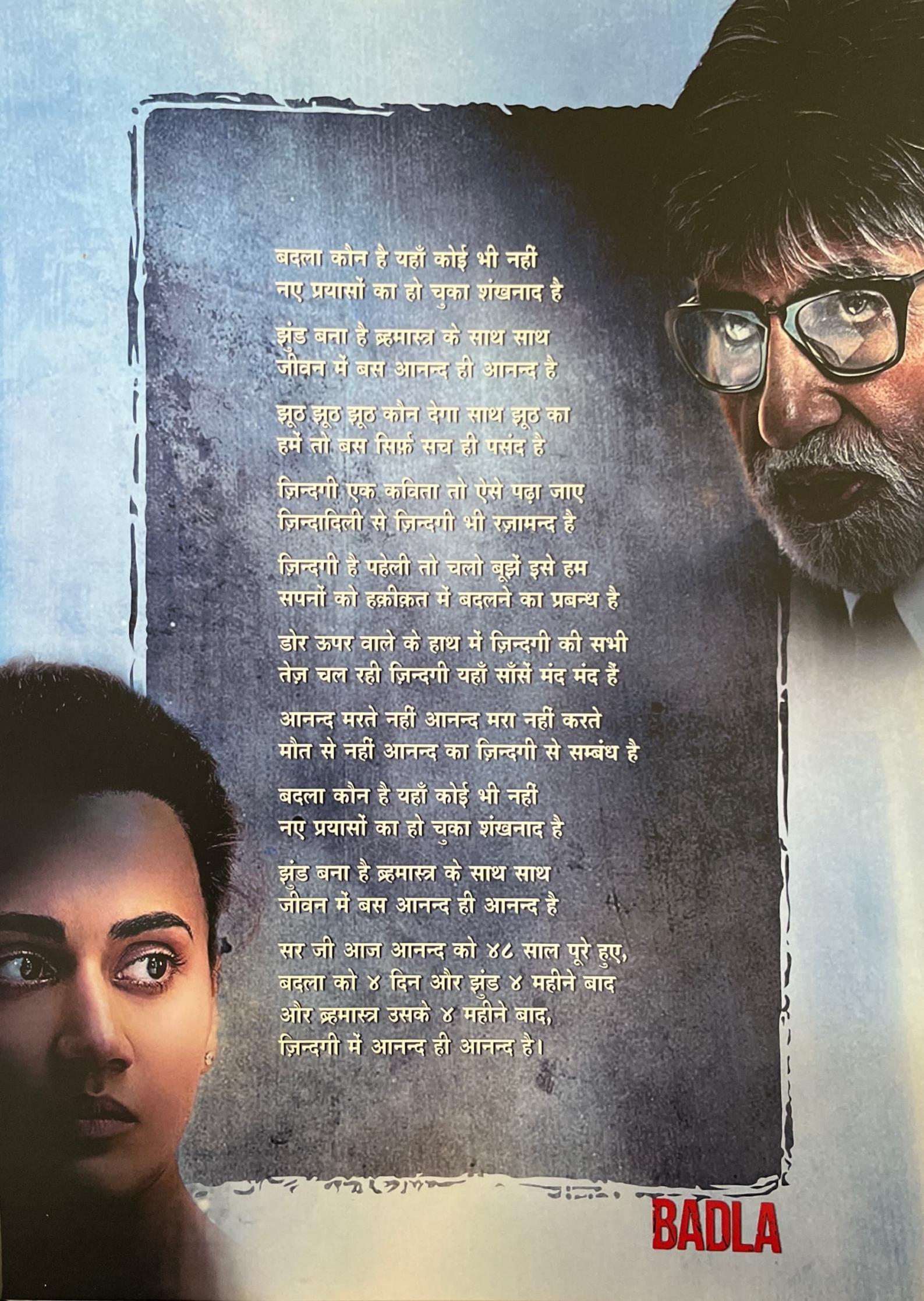
BADLA

झूठ, झूठ बस झूठ, सच को सब खबर है
झूठ से निकलता है सच, सच का असर है
जीतता है सच, कहाँ उसे झूठ से कोई डर है
झूठ को तो झूठ ही हरा देता, वो बेखबर है
किस्सा झूठ का बनाया गया, सच छुपाया गया
झूठ के हर झूठ पर यहाँ सच की नज़र है
सच ने झूठ से कबूल करवा लिया जब सच
सच में गुम हो गया झूठ सोचता वो किधर है
गुमान था झूठ को अपने पर चूर हो गया घमंड
साबित हुआ जब सच तो झूठ तितर बितर है
बदल गया झूठ सच में ये सच का बदला है
सच की फ़तह हुई अब किसे झूठ की फ़िकर है
झूठ, झूठ बस झूठ, सच को सब खबर है
झूठ से निकलता है सच, सच का असर है
जीतता है सच कहाँ उसे झूठ से कोई डर है
झूठ को तो झूठ ही हरा देता वो बेखबर है

BADLA

सच है छुपा यहाँ पर कछ दिखता नहीं
सच तो सच है सच और सच छुपता नहीं
कोई आया और चला गया पता नहीं चला
कौन है वो कौन दिल लेना चाहता है बदला
समय है कम बहुत बहुत सारी पहेलियाँ हैं
कोई नहीं सुराग अंधेरी बहुत यहाँ गलियाँ हैं
कछ तो हआ है यहाँ समय खराब नहीं टला
कौन है वो कौन दिल लेना चाहता है बदला
क्यों ये दुनिया मुझे ही क़सूरवार मानती है
करता था कितना प्यार शायद नहीं जानती है
न है, न था कोई दश्मन, न शिकवा, न गिला
कौन है वो कौन दिल लेना चाहता है बदला
दीवारों के भी होते हैं कान छुपी है कछ बात
कटते नहीं मेरे दिन अब कटती नहीं है रात
मिलेगा नहीं जब तक वो चलेगा ये सिलसिला
कौन है वो कौन दिल लेना चाहता है बदला

BADLA



बदला कौन है यहाँ कोई भी नहीं
नए प्रयासों का हो चुका शंखनाद है

झांड बना है ब्रह्मास्त्र के साथ साथ
जीवन में बस आनन्द ही आनन्द है

झूठ झूठ झूठ कौन देगा साथ झूठ का
हमें तो बस सिफ़र सब ही पसंद है

ज़िन्दगी एक कविता तो ऐसे पढ़ा जाए
ज़िन्दादिली से ज़िन्दगी भी रज़ामन्द है

ज़िन्दगी है पहली तो चलो बूझें इसे हम
सपनों को हक्कीकत में बदलने का प्रबन्ध है

डोर ऊपर वाले के हाथ में ज़िन्दगी की सभी
तेज़ चल रही ज़िन्दगी यहाँ साँसें मंद मंद हैं

आनन्द मरते नहीं आनन्द मरा नहीं करते
मौत से नहीं आनन्द का ज़िन्दगी से सम्बंध है

बदला कौन है यहाँ कोई भी नहीं
नए प्रयासों का हो चुका शंखनाद है

झांड बना है ब्रह्मास्त्र के साथ साथ
जीवन में बस आनन्द ही आनन्द है

सर जी आज आनन्द को ४८ साल पूरे हुए,
बदला को ४ दिन और झांड ४ महीने बाद
और ब्रह्मास्त्र उसके ४ महीने बाद,
ज़िन्दगी में आनन्द ही आनन्द है।

BADLA

सच है तू सच, सच, सच, सच है तू सच सच सच
दिखा अपनी शक्ति तू झूठ को सच में बदल के दिखा

झूठ ने घेरा, छा गया अँधेरा, पता नहीं कब हो सवेरा
दिखा अपनी शक्ति तू काली स्थाह रात में निकल के दिखा

सच है तू सच, सच, सच, सच है तू सच सच सच

झूठ बनाता, झूठ दिखाता, झूठ ही झूठ बतलाता
दिखा अपनी शक्ति तू झूठ को कुचल के दिखा

झूठ ने तुझे मारा, कहाँ झूठ हारा, सर उठा रहा दोबारा
दिखा अपनी शक्ति तू झूठ के वार से सँभल के दिखा

सच है तू सच, सच, सच, सच है तू सच सच सच

झूठ का बवंडर है, झूठ बाहर अंदर है, झूठ का समंदर है
दिखा अपनी शक्ति तू तूफानों का रास्ता बदल के दिखा

झूठ एक कला है, झूठ झूठ चला है, झूठ से लेना बदला है
दिखा अपनी शक्ति तू झूठ को अपने सच से छल के दिखा

सच है तू सच, सच, सच, सच है तू सच सच सच

सच है तू सच, सच, सच, सच है तू सच सच सच
दिखा अपनी शक्ति तू झूठ को सच में बदल के दिखा

BADLA

द तो द होता है पर कभी कभी वो ९ भी होता है
सच वो ही होता है जो यहाँ पर साबित होता है
वो संदेश, वो बंद कमरा, वो उसका पैसे न ले जाना
कुछ सवालों का जवाब यहाँ बड़ा मुश्किल होता है
वो मलाक्रातें कछ महीने की छुप छुप कर जब होतीं
सही कहते हैं लोग कि प्यार बड़ा संगदिल होता है

सच क्या है जो बताया गया या जो छपाया गया
बिछा जाल चला गया चालाक बड़ा क्रांतिल होता है

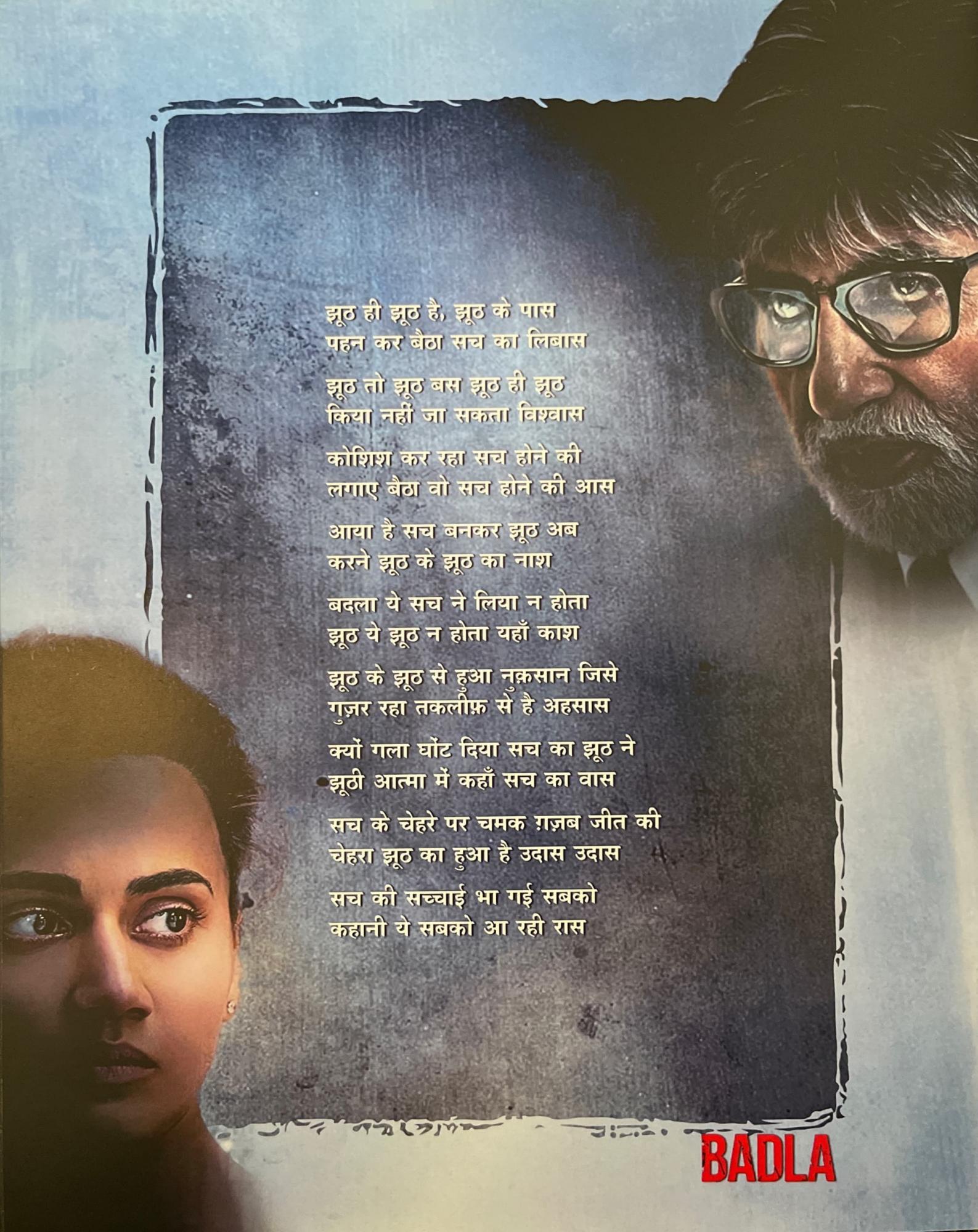
बदला लेना हर बार ज़रूरी नहीं माफ़ कर देना भी
जीतता वो ही है यहाँ जिसे सच हासिल होता है

वो बचता जा रहा है और कोई फ़सता जा रहा
हर जाल से निकल जाता जो यहाँ क्राबिल होता है

हज़ार झूठ मिलकर भी एक झूठ छुपा नहीं सकते
सज्जा मिलती झूठ को वो बहुत शापित होता है

द तो द होता है पर कभी कभी वो ९ भी होता है
सच वो ही होता है जो यहाँ पर साबित होता है

BADLA



झूठ ही झूठ है, झूठ के पास
पहन कर बैठा सच का लिबास

झूठ तो झूठ बस झूठ ही झूठ
किया नहीं जा सकता विश्वास

कोशिश कर रहा सच होने की
लगाए बैठा वो सच होने की आस

आया है सच बनकर झूठ अब
करने झूठ के झूठ का नाश

बदला ये सच ने लिया न होता
झूठ ये झूठ न होता यहाँ काश

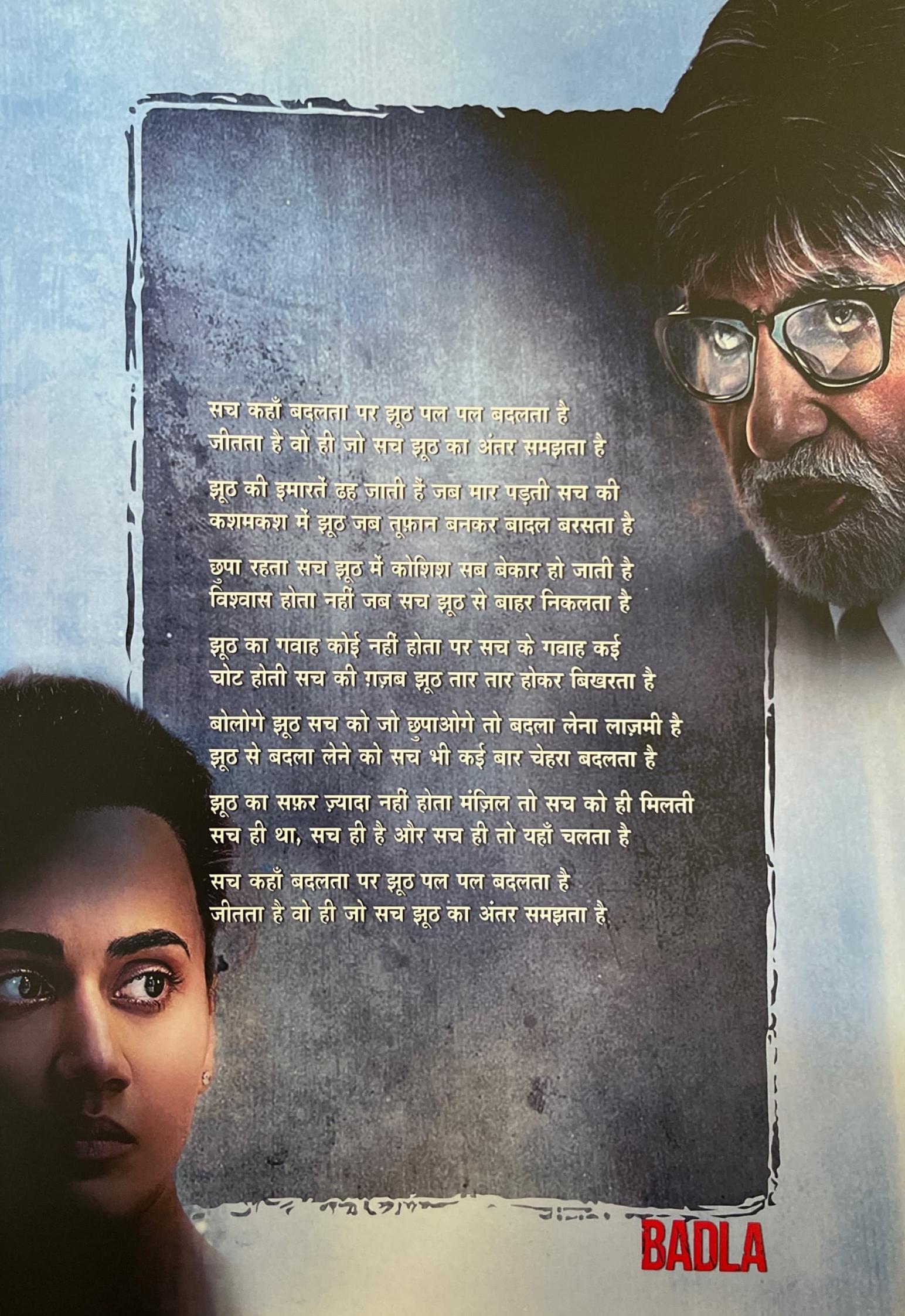
झूठ के झूठ से हआ नक्सान जिसे
गुज़र रहा तकलीफ से है अहसास

क्यों गला घोट दिया सच का झूठ ने
झूठी आत्मा में कहाँ सच का वास

सच के चेहरे पर चमक ग़ज़ब जीत की
चेहरा झूठ का हुआ है उदास उदास

सच की सच्चाई भा गई सबको
कहानी ये सबको आ रही रास

BADLA



सच कहाँ बदलता पर झूठ पल पल बदलता है
जीतता है वो ही जो सच झूठ का अंतर समझता है

झूठ की इमारतें ढह जाती हैं जब मार पड़ती सच की
कशमकश में झूठ जब तूफान बनकर बादल बरसता है

छपा रहता सच झूठ में कोशिश सब बेकार हो जाती है
विश्वास होता नहीं जब सच झूठ से बाहर निकलता है

झूठ का गवाह कोई नहीं होता पर सच के गवाह कई
चोट होती सच की ग़ज़ब झूठ तार तार होकर बिखरता है

बोलोगे झूठ सच को जो छुपाओगे तो बदला लेना लाज़मी है
झूठ से बदला लेने को सच भी कई बार चेहरा बदलता है

झूठ का सफर ज्यादा नहीं होता मंज़िल तो सच को ही मिलती
सच ही था, सच ही है और सच ही तो यहाँ चलता है

सच कहाँ बदलता पर झूठ पल पल बदलता है
जीतता है वो ही जो सच झूठ का अंतर समझता है

BADLA

सच को जिताने की तैयारी है
झूठ से बातचीत जारी है

तीन घंटों में सवाल तीन
मिनट मिनट झूठ पर भारी है

झूठ के झूठ से सच निकलेगा
क्या करे झूठ बहुत लाचारी है

सच को हराने की फ़िराक़ में है
झूठ पर चढ़ी झूठ की खुमारी है

बदला ये बदल देगा सब कुछ
झूठ को हराने की सच की बारी है

झूठ क्या बोला झूठ बनते चले गये
क्या खूब झूठ ने शक्ति सँवारी है

झूठ को उसका झूठ ही हराएगा
सच ने झूठ से कर ली यारी है

कब झूठ झूठ है या वो सच है
ये ही तो बादल की होशियारी है

पहुँच जाए ये बदला मक्काम पर
अब ये आप सबकी ज़िम्मेदारी है

सच को जिताने की तैयारी है
झूठ से बातचीत जारी है

तीन घंटों में सवाल तीन
मिनट मिनट झूठ पर भारी है

BADLA

सर उठाना चाहता झूठ के अरमान बहुत है
जिसे देखो झूठ के झूठ से हैरान बहुत है

देखो कैसे बना रखा है झूठ ने रेत का घर
देखो अगर दूर से तो आन बान शान बहुत है

मुश्किल से मिलता है शहर में सच्चा आदमी
कहने को तो इस बस्ती में इंसान बहुत है

झूठ का दामन पकड़ तो लिया चलना आराम से
सच की हवा चल रही सच का तूफान बहुत है

झूठ भी सोच रहा बदला किस बात का लिया
झूठ भी अपने झूठ से यहाँ अनजान बहुत है

झूठ को झूठ साबित करने के लिए सबूत चाहिए
सच को सच साबित करने के लिए सामान बहुत है

झूठ के झूठ में वक्त बताएगा कि क्या है सच
सच का सच होना ही सच की पहचान बहुत है

सर उठाना चाहता झूठ के अरमान बहुत है
जिसे देखो झूठ के झूठ से हैरान बहुत है

देखो कैसे बना रखा है झूठ ने रेत का घर
देखो अगर दूर से तो आन बान शान बहुत है

BADLA

क्रायदा अलग है मेरा चलने का
वो झूठ बोलते मैं सच खोजता हूँ

सीधे सीधे सवालों के जवाब नहीं
वो दिखा रहे दू मैं उसमें ९ देखता हूँ

सब कुछ साफ़ साफ़ हो आइने की तरह
तस्वीर करने को साफ़ आइने को पॉछता हूँ

हार बर्दाशत नहीं मुझे बादल हूँ मैं
जीतने के लिए बनाता सबूत बेचता हूँ

नैना के नैन कुछ बोल रहे और ज़ुबाँ कुछ
मानूँ बात किसकी बस ये सोचता हूँ

सच को साबित किया जाए तभी है वो सच
झूठ, झूठ बस झूठ है पर मैं सच ढूँढता हूँ

क्रायदा अलग है मेरा चलने का
वो झूठ बोलते मैं सच खोजता हूँ

सीधे सीधे सवालों के जवाब नहीं
वो दिखा रहे दू मैं उसमें ९ देखता हूँ

BADLA

घुट रहा दम मेरा कि साँसों पर हुआ जैसे हमला सा है
बदल गये हैं हम, या फिर समय बदला बदला सा है

तन्हाई ले रही जान, चला गया आके वो मेहमान अनजान
मुलाकात हुई नहीं हमारी रुसवाईयों का मसला सा है

भागूँ तो मैं भागूँ कहाँ सब जगह परछाई पीछा करती है मेरा
रातें कर रहीं बैचेन मझे सोचता क्यों ये दिन निकला सा है

सब पूछते हैं वो सवाल जिसका जवाब नहीं है पास मेरे
यहाँ दुश्मनों का जैसे मेरे पीछे पड़ा कोई क़ाफिला सा है

लेना है बदला मझे हर एक दश्मन से छोड़ना नहीं है किसी को
हो जाइये तैयार फिर अब कीं बार होने को ज़लज़ला सा है

घुट रहा दम मेरा कि साँसों पर हुआ जैसे हमला सा है
बदल गये हैं हम, या फिर समय बदला बदला सा है

BADLA

सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है
सत्य की बराबरी क्या करेगा झूठ
झूठ तो बस छल है

सत्य झूठ हो नहीं सकता, झूठ कहाँ सत्य
शांत है सत्य, झूठ की हलचल है
शोर मचा रहा झूठ पर विफल है
सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है
सत्य की बराबरी क्या करेगा झूठ
झूठ तो बस छल है

सत्य है निडर, निर्णायक, निश्चित
सत्य तो बस असल है
• झूठ तो झूठ बो रहा सज्जा की फ़सल है
सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है
सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है
सत्य की बराबरी क्या करेगा झूठ
झूठ तो पल दो पल है
बिना शृंगार सौन्दर्य लिये बैठा है
सत्य कहाँ होता आँखों से ओझल है
सत्य की बराबरी क्या करेगा झूठ
झूठ तो बेजान, निश्चल है

सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है
सत्य की बराबरी क्या करेगा झूठ
झूठ तो बस छल है

सत्य आँखों में रहता दिल से कहता
सत्य कहाँ यहाँ मुश्किल है
सत्य की बराबरी क्या करेगा झूठ
झूठ तो बस और बस दलदल है
सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है
सत्य है अचूक, अभेद, अपराजित
जीत सत्य की अटल है
झूठ क्या बराबरी करेगा सत्य की
पल पल रूप बदलता झूठ तरल है
बदला स्वरूप झूठ का सच हुआ
जीत सत्य की सत्य होने का फल है
सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है
सत्य है अचूक, अभेद, अपराजित
जीत सत्य की अटल है
झूठ क्या बराबरी करेगा सत्य की
पल पल रूप बदलता झूठ तरल है
बदला स्वरूप झूठ का सच हुआ
जीत सत्य की सत्य होने का फल है
सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है
सत्य की बराबरी क्या करेगा झूठ
झूठ तो बस छल है
सत्य की खोज में सत्य निकला
झूठ से लेना है हर हाल में बदला
झूठ के झूठ पर सत्य कर रहा अमल है
सत्य सीधा है, सरल है
सत्य था कल, आज है और कल है

BADLA



बदला के लिये बहुत बहुत शुभकामनाये।

Ef **Vikas Bansal**
ABEFTeam

1939, Sector 28 Opp Shiv Shakti Mandir, Faridabad 121008 Haryana
Mobile : 9873555289 / 9810955586 • Twitter : @VikasbansalEF
E.mail : micky.bansal75@gmail.com

(FOR PRIVATE CIRCULATION HAVING NO COMMERCIAL VALUE)